SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

भोपाल जिले में ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न स्तर के अभिभावको का बालिका शिक्षा के प्रति अभिवृति का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ.संगीता तिवारी, सहा.प्रध्यापक, शिक्षा विभाग, आई.ई.एस.विश्वविद्यालय, भोपाल
कोकिला बेन डी.त्रिवेदी, शोधार्थी, आई.ई.एस.विश्वविद्यालय, भोपाल

सारांष

ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांष परिवार अपनी दैनिक आवष्यक आवष्यकताएं ही पूर्ण नहीं कर पाते। अतः षिक्षा की ओर उनका ध्यान दे पाना लगभग असम्भव ही है। यदि बालकों की षिक्षा पर ध्यान देते हैं। लेकिन बालिकाएं तो निष्चित ही षिक्षा से उपेक्षित रह जाती हैं। सरकार के द्वारा दी जाने वाली सहायता भी उन्हें समुचित लाभ नहीं प्रदान कर पा रहीं हैं। लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण धन का उपयोग घर के कार्यों में हो जाता है। चूंकि बालिकाओं की प्रत्येक माता–पिता अपनी जिम्मेदारी को जल्दी से जल्दी पूरी करना चाहते हैं। इसलिए उनके पास जो धन होता है उसे विवाह के लिए भी जोडते रहते हैं और उनकी षैक्षिक समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहती हैं। भारत के इतिहास पर दृष्टिपात करने से यह विदित होता है कि इस स्थिति का मुख्य कारण बालिका शिक्षा के प्रति उदासीनता है। बालिका शिक्षा का पिछड़ा पन भारतीय पुरूष प्रधान समाज की देन है। लेकिन वर्तमान समय में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा बालिका शिक्षा की उन्नति हेतु पर्याप्त प्रयास किये जा रहे है।'' परन्तु यदि भारतीय सामाजिक व्यवस्था पर दृष्टिपात किया जाये तो दृष्टिगत होता है कि भारतीय समाज में आज भी बालकों को बालिकाओं की अपेक्षा अधिक महत्व दिया जाता है। बालक और बालिकाओं में भेद भाव हमारे समाज की नस–नस में विद्यमान है। लिंग आधारित असमानता का यह विचार इतना गहरा है कि जब हम शिक्षा के प्रति माता–पिता के दृष्टिकोण की बात उठाते हैं तो ऐसी स्थिति में लड़के–लड़की के बारे में एक ही तरह से बात करने का कोई अर्थ नहीं रह जाता'' यूनिसफे रिपार्टे (2004) षोध में इसी समस्या से अवगत कराया गया हैं।

शब्दकोष– बालिका षिक्षा, ग्रामीण अभिभावक और अभिवृतिं।